



**भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान
संस्थान**

जी.टी. रोड, रावतपुर, कानपुर – 208 002
(उत्तर प्रदेश)

An ISO 9001:2015 Certified

(O) : (0512) 2533560, 2554746
Fax : (0512) 2533560, 2554746
Website : <http://atarik.res.in>
E-mail : zpdicarkanpur@gmail.com

दि. 23-12-2020

भारत अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आई.आई.एस.एफ.) 2020 के उद्घाटन अवसर

पर माननीय प्रधानमंत्री का उद्बोधन

दि. 22 दिसम्बर 2020 को आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारत अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आई.आई.एस.एफ.) 2020 के उद्घाटन अवसर पर वैज्ञानिकों और शिक्षा जगत को संबोधित किया। इसकी जानकारी भाकृअनुप-अटारी कानपुर निदेशक डा. अतर सिंह ने दी।

आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने कहा कि आज के इस फेस्टिवल में हम विज्ञान के सेलिब्रेट कर रहे हैं। भारत का विज्ञान और तकनीक में स्वर्णिम अतीत रहा है। हमारे वैज्ञानिकों ने कई महत्वपूर्ण खोजें व अविष्कार किये हैं। वर्तमान में नई शिक्षा नीति के माध्यम से और नये वैज्ञानिक उभरके सामने आयेंगे। स्कूलों में बदलाव के साथ अटल इनोवेशन मिशन भी शुरू किया गया है। इसके तहत देशभर के विभिन्न स्कूलों में अटल टिकरिंग लैब तैयार किये जा रहे हैं जो इनोवेशन के नये प्लेग्राउंड सिद्ध हो रहे हैं। इनके माध्यम से विज्ञान का इन्फ्रास्ट्रक्चर मजबूत हो रहा है। अधिक आइ. आई.टी. और इंजीनियरिंग कालेज बनाने पर बल दिया जा रहा है। आज भारत की बड़ी आबादी स्मार्टफोन आधारित एप से जुड़ चुकी है। गाँवों में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या शहरों से अधिक है। डिजिटल इंडिया स्कीम का और विस्तार करने के लिये पी.एम. वाणी स्कीम भी शुरू की गई है। इससे पूरे देश में सबके लिये गुणवत्तायुक्त वाई.फाई. नेटवर्क उपलब्ध हो जायेगा। हमारे देश की अनेक समस्याओं जैसे प्रदूषण का हल भी विज्ञान के पास है। हमारा प्रयास है कि भारत वैज्ञानिक शिक्षा के लिये सबसे भरोसेमंद केन्द्र बनके उभरे। विज्ञान और तकनीक तब तक अधूरी है जब तक आम जनता को इसका लाभ न मिले। माननीय प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस तरह से हमने अंतरिक्ष के क्षेत्र में सफलता हासिल की है उसी प्रकार हमें समुद्र के क्षेत्र में भी सफलता हासिल करनी है। इस दिशा में भारत महासागर मिशनल चला रहा है। भारत सरकार यहां देश के अनुसंधान के माहौल और बेहतर बनाने और चुनौतियों को दूर करने का कार्य कर रही है।

इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र भी कार्यक्रम से जुड़े।

